कैबिनेट ने इरेडा के लिये कोष को मंजूरी दी

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA**) में 1,500 करोड़ रुपए के निवेश को मंजूरी दी है।

- इससे **इरेडा अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को 12,000 करोड़ रुपए उधार** देने में सक्षम होगा।
- इससे पहले इरेडा द्वारा **'सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2021'** के एक भाग के रूप में **'व्हिसिलब्लोअर पोर्टल'** लॉन्च किया गया था।

प्रमुख बिंदु:

- **कोष का महत्त्व:**
  - इस इक्विटी निवेश से लगभग **10,200 रोज़गार के अवसरों के सृजन** में मदद मिलेगी और **कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में** लगभग **7.49 मिलियन टन की कमी** आएगी।
  - भारत सरकार द्वारा 1500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त इक्विटी निवेश इरेडा को सक्षम बनाएगा:
    - अक्षय ऊर्जा (RE) के क्षेत्र में लगभग 12000 करोड़ रुपए का ऋण प्रदान कर 3500-4000 मेगावाट की अतिरिक्त क्षमता को सुविधाजनक बनाना।
    - यह अपने नेटवर्थ को बढ़ाने हेतु RE के क्षेत्र में वित्तपोषण में मदद कर भारत सरकार को लक्ष्यों में बेहतर योगदान देगा।
    - अपने उधार और उधार संचालन को सुविधाजनक बनाने हेतु पूंजी-से-जोखिम भारित संपत्ति अनुपात (CAR) में सुधार करना।
      - CRAR, जिसे CAR (पूंजीगत पर्याप्तता अनुपात) के रूप में भी जाना जाता है, यह सुनिश्चित करने के लिये महत्त्वपूर्ण है जो वित्तीय संगठनों के पास दिवालिया होने से पहले उनके पास उचित मात्रा में नुकसान को अवशोषित करने हेतु पर्याप्त हो।
- **IREDA**:
  - यह भारत सरकार के 'नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय' के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्यरत एक मिनीरत्न (श्रेणी 1) कंपनी है।
  - इसका कार्य नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से संबंधित परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना तथा विकास हेतु इन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करना है।
  - इसे 'कंपनी अधिनियम, 1956' की धारा 4'ए' के तहत 'सार्वजनिक वित्तीय संस्थान' (Public Financial Institution) के रूप में अधिसूचित किया गया है।
  - इसे 'भारतीय रिज़र्व बैंक' के नियमों के अंतर्गत 'गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी' (Non-Banking Financial Company) के रूप में पंजीकृत किया गया है।
  - इसे वर्ष 1987 में 'गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्था' के रूप में एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी के तौर पर गठित किया गया था।
  - इसका उद्देश्य नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से संबंधित परियोजनाओं को प्रोमोट करना, इनका विकास करना तथा इन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

स्रोत: पी.आई.बी

ग्रामीण क्षेत्र विकास योजना निर्माण और कार्यान्वयन

हाल ही में **पंचायती राज मंत्रालय ने** ग्रामीण भारत के स्वरूप को बदलने और ग्रामीण समृद्धि सुनिश्चित करने हेतु**'ग्रामीण क्षेत्र विकास योजना निर्माण और कार्यान्वयन (RADPFI) दिशानिर्देश, 2017'** को संशोधित किया है।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय**

    - RADPFI 2021 दिशानिर्देश स्थानिक ग्रामीण नियोजन को बढ़ावा देने की दिशा में मंत्रालय के प्रयासों का हिस्सा है और यह गाँवों में दीर्घकालिक नियोजन हेतु एक परिप्रेक्ष्य विकसित कर ग्रामीण परिवर्तन का मार्ग तैयार करेगा।
    - यह ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी भूमि उपयोग नियोजन और ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में सक्षम होगा।
- **विशेषताएँ**
    - इसमें शहरी क्षेत्रों में नगर नियोजन योजनाओं की तर्ज पर '**ग्राम नियोजन योजना' (VPS)** शामिल है।
    - **ग्राम पंचायत विकास कार्यक्रम** (GPDP) को स्थानिक भूमि उपयोग योजना से जोड़ने के प्रावधान।
    - ग्राम पंचायत विकास के लिये स्थानिक मानक।
- **उद्देश्य**
    - इसका उद्देश्य गाँवों में रहने की सुगमता सुनिश्चित करना और सभी आवश्यक बुनियादी ढाँचे एवं सुविधाओं तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के लिये संसाधन व अवसर प्रदान करके बड़े शहरों में प्रवास को कम करने में मदद करना है।
- **महत्त्व:**
    - यह ग्रामीण क्षेत्रों में जीवंत आर्थिक समूहों के विकास को बढ़ावा देगा, जो ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देंगे।
    - यह केंद्र सरकार के प्रयासों जैसे पंचायती राज मंत्रालय की '**स्वामित्व योजना**' और ग्रामीण विकास मंत्रालय के **रुर्बन मिशन** का भी पूरक होगा और भू-स्थानिक जानकारी के बेहतर उपयोग की सुविधा प्रदान करेगा।

ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाएँ

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) 2005
- दीन दयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)
- प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण
- राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 21 जनवरी, 2022

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल

प्रतिवर्ष 19 जनवरी को 'राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल' (NDRF) का स्थापना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 'राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल' ने अपना 17वाँ स्थापना दिवस मनाया। 'राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल' (NDRF) की स्थापना वर्ष 2006 में 'आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005' के तहत 6 बटालियनों के साथ की गई थी। वर्तमान में NDRF में 12 बटालियन हैं, जिनमें BSF और CRPF से तीन-तीन तथा CISF, SSB एवं ITBP से दो-दो बटालियन हैं एवं इसकी प्रत्येक बटालियन में 1149 सदस्य हैं। स्थापना के बाद से NDRF ने अपनी कार्यकुशलता से देश तथा विदेशों में प्रशंसा प्राप्त की है। 'राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल' (NDRF) प्राकृतिक व मानव निर्मित आपदा में त्वरित सहायता प्रदान करने, राहत व बचाव कार्यों में जुटी अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने, आपदा क्षेत्र से लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने एवं राहत सामग्री का वितरण करने आदि में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। पिछले कुछ वर्षों में NDRF वैश्विक स्तर पर अग्रणी आपदा प्रबंधन बल के रूप में उभरा है। NDRF का महानिदेशक एक IPS अधिकारी होता है। वर्तमान में IPS अधिकारी एस.एन. प्रधान NDRF के महानिदेशक हैं।

TOI-2180 b: विशाल गैसीय ग्रह

नासा के एक वैज्ञानिक ने पृथ्वी से लगभग 379 प्रकाश वर्ष दूर एक विशाल गैसीय ग्रह की खोज की है, जो सूर्य के समान द्रव्यमान वाले एक तारे की परिक्रमा कर रहा है। बृहस्पति के आकार का यह विशाल 'TOI-2180 b' गैसीय ग्रह खगोलविदों के लिये विशिष्ट है, क्योंकि हमारे सौर मंडल के बाहर मौजूद कई ज्ञात गैस ग्रहों की तुलना में इसका 261 दिन का एक वर्ष तुलनात्मक रूप से काफी लंबा है। 'TOI-2180 b' बृहस्पति ग्रह से लगभग तीन गुना अधिक विशाल है, लेकिन इसका व्यास बृहस्पति ग्रह के ही समान है, इसका अर्थ यह हुआ कि यह ग्रह बृहस्पति ग्रह से अधिक सघन है। गौरतलब है कि हमारे सौरमंडल में बृहस्पति ग्रह प्रति 12 साल में सूर्य की परिक्रमा करता है; जबकि शनि सूर्य की परिक्रमा में 29 वर्ष लगते हैं। लगभग 170 डिग्री फारेनहाइट के औसत तापमान के साथ 'TOI-2180 b' बृहस्पति और शनि ग्रह सहित हमारे सौरमंडल के बाहरी ग्रहों की तुलना में अधिक गर्म है।

मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा राज्य दिवस

21 जनवरी, 2022 को मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा का राज्य दिवस मनाया गया। गौरतलब है कि 21 जनवरी, 1972 को ये तीनों राज्य उत्तर-पूर्वी क्षेत्र अधिनियम (पुनर्गठन), 1971 के तहत पूर्ण राज्य बने थे। भारत की आज़ादी से कुछ दिन पहले मणिपुर के महाराजा बोधचंद्र सिंह ने मणिपुर की आंतरिक स्वायत्तता को बनाए रखने के आश्वासन पर भारत सरकार के साथ 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेसन' पर हस्ताक्षर किये थे। वहीं 15 नवंबर, 1949 को भारतीय संघ में विलय होने से पहले त्रिपुरा एक रियासत थी। त्रिपुरा रियासत के अंतिम राजा बीर बिक्रम का भारत की आज़ादी से ठीक पहले 17 मई, 1947 को निधन हो गया। इसके पश्चात् रानी कंचन प्रभा ने त्रिपुरा रियासत के भारतीय संघ के साथ विलय में अहम भूमिका निभाई। वर्ष 1947 में गारो एवं खासी क्षेत्र के शासकों

ने भारतीय संघ में प्रवेश किया। मेघालय, भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में स्थित एक छोटा पहाड़ी राज्य है जो 2 अप्रैल, 1970 को असम राज्य के भीतर एक स्वायत्त राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। मेघालय राज्य में संयुक्त रुप से खासी एवं जयंतिया हिल्स और गारो हिल्स ज़िले शामिल थे।

सानिया मिर्ज़ा

भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्ज़ा ने हाल ही में संन्यास लेने की घोषणा की है। सानिया मिर्ज़ा के मुताबिक, वर्ष 2022 के सीज़न में वे अपना आखिरी मैच खेलेंगी। टेनिस खिलाड़ी के रूप में अपने असाधारण कॅरियर में 35 वर्षीय सानिया मिर्ज़ा ने छह ग्रैंड स्लैम जीते हैं और 'महिला टेनिस संघ' युगल रैंकिंग के शिखर तक पहुँची हैं। सानिया मिर्ज़ा 'महिला टेनिस संघ' एकल रैंकिंग में शीर्ष 30 में पहुँचने वाली पहली भारतीय महिला हैं। इसके अलावा वह वर्ष 2005 में डब्ल्यूटीए एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनी थीं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/current-affairs-news-analysis-editorials/prelims-facts/21-01-2022/print